CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

एफ एस एस ए आई ने खाद्य लेबलिंग मानदण्डों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2018।

''जनता में स्वास्थ्य कर व हानिकारक खाद्य वस्तुओं के प्रति जागरूकता लाने के लिये पैकेट पर जानकारी लेबल का होना अत्यन्त आवश्यक।'' कट्स इंटरनेश्नल व भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की साझेदारी में 'स्वस्थ व सुरक्षित भोजन के लिये खाद्य लेबलिंग नियमन विषय पर आयोजित हितधारक सम्मेलन में एफ.एस.एस.ए.आई. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पवन अग्रवाल ने जोर देकर कहा। उन्होने (श्री अग्रवाल ने) जानकारी दी कि खाद्य सुरक्षा व मानक (लेबलिंग व प्रदर्शन) नियमन 2018 के मसौदे पर विचार के लिये विशेषज्ञ दल का गठन किया जायेगा।

एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका, जहाँ मोटापे व जन स्वास्थ्य पर भारी खर्च एक मजबूरी बन चुका है, की तुलना में भारत की स्थिति कहीं बेहतर है जहाँ बेहतर सरकारी नीतियों द्वारा अस्वास्थ्यकर भोजन के दुष्परिणामों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि, भारत अकेला ऐसा विकासशील देश है जहाँ खाद्य उद्योग के प्रतिनिधियों ने 'सभी के लिये सुरक्षित भोजन' के लिये स्वप्रेरणा से पहला कदम बढाया है। उन्होने भरोसा दिलाया कि खाद्य उद्यमियों की इस प्रतिबद्धता की पालना में एफ.एस.एस.ए.आई. और बेहतर निरीक्षण व्यवस्था लायेगा, जिसकी अधिकारिक जानकारी बाद में दी जायेगी।

सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निदेशक श्री राजीव कुमार ने जानकारी दी कि ''भारत में प्रतिवर्ष लगभग 7 लाख मौते केवल कैसंर से हो जाती है एवं 7.1 करोड लोग मधुमेह से ग्रस्त है जब कि प्रत्येक 5 में से एक व्यक्ति रक्तचाप सम्बंधी अनियमितता से पीडित है।'' श्री कुमार ने कहा कि 'आयुष्मान भारत जैसी योजना व खेल व युवा मंत्रालय द्वारा की गई पहलें, ऐसी बीमारियों में कमी लाने पर विशेषतः केन्द्रित है। साथ ही इस जोखिम को कम करने के लिये लोगो को अपनी जीवन शैली में भी सुधार लाना होगा।'

'कट्स' इटंरनेश्नल के निदेशक श्री जॉर्ज चेरियन ने मुद्दा उठाया कि खाद्य पैकेट पर स्पश्ट व प्रभावपूर्ण लेबल का होना, लोगों में जागरूकता बढानें व भोजन शैली में बदलाव लाने के लिये कितना महत्वपूर्ण है। अनिवार्य ''फ्रंट ऑफ पैकेजिंग लेबल'' की नीति को विश्व भर में सरकारो द्वारा भोजन शैली में सुधार हेतु एक प्रभावी उपचार के तौर पर स्वीकारा व लागू किया गया है। वर्तमान में 23 देशों में लगभग 16 फ्रंट ऑफ पैकेजिंग लेबल व्यवस्थाएं लागू हैं जब कि 14 अन्य योजनाएं अनुंशसित है। श्री चेरियन ने जोर देकर कहा कि भारत को, नॉर्डिक राश्ट्रो के ''की–होल'' लेबल ईरान के ''ग्रीन एप्पल ट्री लेबल'' व डेनमार्क, चिली, सिंगापुर जैसे कुछ अन्य देशो की श्रेष्ठ युक्तियों से सीखने की आवश्यकता है।

लोगो को सुरक्षित व स्वस्थ भोजन शैली अपनाने व जागरूक करने के लिये भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'आज से थोडा कम' मुहिम की पहल की है। इस विषय पर घोषित विशेषज्ञ दल में डॉ. निखिल टंडन, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान डॉ. हेम लता, निदेशक राष्ट्रीय पोषण संस्थान, डॉ. सशिकिरण पूर्व निदेशक व वैज्ञानिक राष्ट्रीय पोशण संस्थान, को शामिल किया गया है।

CUTS International

PRESS RELEASE

श्री अनिल कुमार, सलाहकार (मानक), डॉ. एन भास्कर, सलाहकार (एफ.एस.एस.ए.आई.) डॉ. सतीश कुलकर्णी, पूर्व निदेशक राष्ट्रीय डेयरी संस्थान, डॉ. निखिल टडंन, ए.आई.आई.एम.एस., डॉ. जी. एम. सुब्बाराव, उपनिदेशक राष्ट्रीय पोषण संस्थान, वंदना शाह, निदेशक, सी टी एफ के, कंचन जुत्शी सचिव, बिस्किट निर्माता परिसंघ, अमित खुराना एवं राजकपुर, प्रबंध निदेशक बेकरी तकनीक व प्रबंधन संस्थान कार्यक्रम में भागीदारी करने वाले विशेषज्ञ दल में शामिल थे।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

आकांक्षा चौधरी
प्रोग्राम एसोसिएट,
'कट्स' इन्टरनेशनल
डी– 217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302016
फोनः 0141–2282821, फैक्सः 0141–4015395
मो.: 8800252218, ईमेलः ach@cuts.org